

## MGPE-13

# CIVIL SOCIETY, POLITICAL REGIMES AND CONFLICT

### IMPORTANT QUESTIONS FOR EXAM

### ANSWERS IN HINDI AND ENGLISH BOTH

(PART -1 )

#### TOPIC-1

#### Different Classifications of NGOs

Non-Governmental Organizations (NGOs) can be classified based on various criteria such as their orientation, level of operation, structure, and functions. Here are some common classifications:

#### 1. Based on Orientation

**Charitable Orientation:** These NGOs focus on providing direct help to those in need, often through services like food distribution, shelter provision, and healthcare.

**दानपरक दृष्टिकोण:** ये एनजीओ जरूरतमंदों को सीधे मदद प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जैसे कि भोजन वितरण, आश्रय प्रदान करना और स्वास्थ्य देखभाल।

**Service Orientation:** These organizations provide specific services such as healthcare, education, and legal aid. They often employ professionals to deliver these services.

सेवा दृष्टिकोण: ये संगठन विशेष सेवाएं प्रदान करते हैं, जैसे स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कानूनी सहायता। ये अक्सर इन सेवाओं को प्रदान करने के लिए पेशेवरों को नियुक्त करते हैं।

Participatory Orientation: These NGOs involve the people they are helping in the planning and implementation of their programs. This approach promotes self-reliance and empowerment.

सहभागी दृष्टिकोण: ये एनजीओ जिन लोगों की मदद कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्रमों की योजना और कार्यान्वयन में शामिल करते हैं। यह दृष्टिकोण आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण को बढ़ावा देता है।

Empowering Orientation: These organizations aim to empower marginalized communities by advocating for their rights and helping them to gain the skills and resources needed to improve their own lives.

सशक्तिकरण दृष्टिकोण: ये संगठन हाशिए पर रहने वाले समुदायों को उनके अधिकारों के लिए समर्थन देकर और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कौशल और संसाधन प्राप्त करने में मदद करके सशक्त बनाने का लक्ष्य रखते हैं।

## 2. Based on Level of Operation

Community-Based Organizations (CBOs): These NGOs operate at the local level, often focusing on specific communities or groups. They work on issues directly affecting the community such as local development and community health.

समुदाय आधारित संगठन (CBOs): ये एनजीओ स्थानीय स्तर पर काम करते हैं, अक्सर विशिष्ट समुदायों या समूहों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। ये समुदाय को

सीधे प्रभावित करने वाले मुद्दों पर काम करते हैं, जैसे स्थानीय विकास और सामुदायिक स्वास्थ्य।

**Citywide Organizations:** These operate within a city and may address issues such as urban development, housing, and citywide health initiatives.

**नगरव्यापी संगठन:** ये किसी शहर के भीतर काम करते हैं और शहरी विकास, आवास और शहरव्यापी स्वास्थ्य पहल जैसे मुद्दों को संबोधित कर सकते हैं।

**National NGOs:** These operate at the national level and often work on larger issues such as national policy advocacy, large-scale health programs, and education reforms.

**राष्ट्रीय एनजीओ:** ये राष्ट्रीय स्तर पर काम करते हैं और अक्सर राष्ट्रीय नीति समर्थन, बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य कार्यक्रम और शिक्षा सुधार जैसे बड़े मुद्दों पर काम करते हैं।

**International NGOs (INGOs):** These operate across multiple countries and address global issues such as humanitarian aid, international development, and environmental conservation.

**अंतरराष्ट्रीय एनजीओ (INGOs):** ये कई देशों में काम करते हैं और मानवीय सहायता, अंतरराष्ट्रीय विकास और पर्यावरण संरक्षण जैसे वैश्विक मुद्दों को संबोधित करते हैं।

### 3. Based on Structure

**Membership-based NGOs:** These organizations have members who have voting power and can influence the direction and activities of the NGO. Examples include professional associations and trade unions.

सदस्यता-आधारित एनजीओ: इन संगठनों में सदस्य होते हैं जिनके पास मतदान की शक्ति होती है और वे एनजीओ की दिशा और गतिविधियों को प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरणों में पेशेवर संघ और ट्रेड यूनियन शामिल हैं।

Non-membership NGOs: These do not have a formal membership structure. They are typically run by a board of directors or a small group of founders and staff.

गैर-सदस्यता एनजीओ: इनका औपचारिक सदस्यता ढांचा नहीं होता है। इन्हें आम तौर पर निदेशक मंडल या संस्थापकों और कर्मचारियों के एक छोटे समूह द्वारा चलाया जाता है।

## TOPIC-2

### Definition of Human Rights

Human rights are the fundamental rights and freedoms that belong to every person, regardless of nationality, sex, ethnicity, religion, language, or any other status. They are inherent to all human beings and are based on principles of dignity, equality, and mutual respect. Human rights encompass a wide range of rights, including the right to life, liberty, and security; freedom of speech and expression; the right to work and education; and the right to participate in government. These rights are enshrined in various international documents, such as the Universal Declaration of Human Rights (UDHR), and are protected by international laws and treaties.

मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रताएँ हैं जो प्रत्येक व्यक्ति को, उसकी राष्ट्रीयता, लिंग, जातीयता, धर्म, भाषा, या किसी अन्य स्थिति के बावजूद प्राप्त होती हैं। ये सभी मानव प्राणियों के लिए अंतर्निहित होते हैं और गरिमा, समानता, और आपसी सम्मान के सिद्धांतों पर आधारित होते हैं।

मानवाधिकारों में जीवन, स्वतंत्रता, और सुरक्षा का अधिकार; भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता; काम और शिक्षा का अधिकार; और सरकार में भाग लेने का अधिकार शामिल हैं। ये अधिकार विभिन्न अंतरराष्ट्रीय दस्तावेजों, जैसे सार्वभौम मानवाधिकार घोषणा (यूडीएचआर) में निहित हैं और अंतरराष्ट्रीय कानूनों और संधियों द्वारा संरक्षित हैं।

### **Importance of Human Rights Education**

**Promoting Equality and Non-Discrimination:** Human rights education fosters an understanding of the principles of equality and non-discrimination. It helps individuals recognize and challenge prejudices and biases, promoting a more inclusive and equitable society.

**समानता और गैर-भेदभाव को बढ़ावा देना:** मानवाधिकार शिक्षा समानता और गैर-भेदभाव के सिद्धांतों को समझने को प्रोत्साहित करती है। यह व्यक्तियों को पूर्वाग्रहों और पक्षपात को पहचानने और चुनौती देने में मदद करती है, जिससे एक अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण समाज को बढ़ावा मिलता है।

**Empowering Individuals:** By learning about their rights, individuals become more empowered to advocate for themselves and others. Human rights education provides people with the knowledge and skills to actively participate in civic life and to hold authorities accountable.

**व्यक्तियों को सशक्त बनाना:** अपने अधिकारों के बारे में जानकर, व्यक्ति स्वयं और दूसरों के लिए समर्थन करने में अधिक सशक्त बन जाते हैं। मानवाधिकार

शिक्षा लोगों को नागरिक जीवन में सक्रिय रूप से भाग लेने और अधिकारियों को जवाबदेह ठहराने के लिए ज्ञान और कौशल प्रदान करती है।

Preventing Human Rights Violations: Education about human rights helps to prevent violations by raising awareness and promoting respect for human dignity. It encourages individuals to stand against injustice and to take action to protect the rights of others.

मानवाधिकार उल्लंघनों को रोकना: मानवाधिकारों के बारे में शिक्षा जागरूकता बढ़ाकर और मानव गरिमा के प्रति सम्मान बढ़ाकर उल्लंघनों को रोकने में मदद करती है। यह व्यक्तियों को अन्याय के खिलाफ खड़े होने और दूसरों के अधिकारों की रक्षा के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करती है।

Human rights education is thus a powerful tool for creating a just, equitable, and peaceful world. It empowers individuals, promotes understanding and respect, and lays the foundation for sustainable and inclusive development.

इस प्रकार मानवाधिकार शिक्षा एक न्यायपूर्ण, समान और शांतिपूर्ण विश्व बनाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। यह व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, समझ और सम्मान को बढ़ावा देती है, और सतत और समावेशी विकास की नींव रखती है।

### TOPIC 3

#### ROLE OF GRAMEEN BANK IN ERADICATING POVERTY

**1. Introduction to Grameen Bank** Grameen Bank, established in 1983 by Muhammad Yunus in Bangladesh, revolutionized the concept of microfinance. It provided small loans to the rural poor, who were typically considered too risky by traditional banks. These

loans enabled individuals, especially women, to start small businesses, improve their income, and support their families.

ग्रामीण बैंक, जिसे 1983 में मुहम्मद यूनुस द्वारा बांग्लादेश में स्थापित किया गया था, ने माइक्रोफाइनेंस की अवधारणा में क्रांति ला दी। इसने ग्रामीण गरीबों को छोटे ऋण प्रदान किए, जिन्हें पारंपरिक बैंकों द्वारा आमतौर पर जोखिम भरा माना जाता था। इन ऋणों ने व्यक्तियों, विशेष रूप से महिलाओं, को छोटे व्यवसाय शुरू करने, अपनी आय बढ़ाने और अपने परिवारों का समर्थन करने में सक्षम बनाया।

**2. Empowerment of Women** A significant achievement of the Grameen Bank is the empowerment of women. Over 90% of its borrowers are women. By providing them with financial resources, the bank has helped women gain economic independence, improved their social status, and increased their decision-making power within households and communities.

ग्रामीण बैंक की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि महिलाओं को सशक्त बनाना है। इसके 90% से अधिक उधारकर्ता महिलाएं हैं। उन्हें वित्तीय संसाधन प्रदान करके, बैंक ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करने, उनकी सामाजिक स्थिति में सुधार करने और घरों और समुदायों में उनके निर्णय लेने की शक्ति बढ़ाने में मदद की है।

**3. Poverty Alleviation** Through microloans, the Grameen Bank has played a crucial role in poverty alleviation. These small loans help individuals invest in income-generating activities, such as agriculture, handicrafts, and small-scale trading. As a result, many borrowers have been able to lift themselves out of poverty and achieve financial stability.

माइक्रोऋणों के माध्यम से, ग्रामीण बैंक ने गरीबी उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये छोटे ऋण व्यक्तियों को कृषि, हस्तशिल्प और छोटे पैमाने पर व्यापार जैसी आय-सृजन गतिविधियों में निवेश करने में मदद करते हैं। परिणामस्वरूप, कई उधारकर्ता गरीबी से बाहर निकलने और वित्तीय स्थिरता प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं।

**4. Impact on Hunger** By improving the economic conditions of its borrowers, Grameen Bank has also contributed to reducing hunger. With increased income, families can afford better nutrition, healthcare, and education. This has a direct impact on reducing malnutrition and improving overall health outcomes in rural communities.

अपने उधारकर्ताओं की आर्थिक स्थिति में सुधार करके, ग्रामीण बैंक ने भूख को कम करने में भी योगदान दिया है। बढ़ी हुई आय के साथ, परिवार बेहतर पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा का खर्च उठा सकते हैं। इसका ग्रामीण समुदायों में कुपोषण को कम करने और समग्र स्वास्थ्य परिणामों में सुधार पर सीधा प्रभाव पड़ता है।

**5. Sustainable Development** Grameen Bank's model promotes sustainable development by encouraging entrepreneurship and self-sufficiency. It has created a cycle of growth and development, where borrowers repay their loans and reinvest in their businesses, leading to continuous economic improvement. This sustainable approach ensures long-term benefits for individuals and communities.

ग्रामीण बैंक का मॉडल उद्यमिता और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करके सतत विकास को बढ़ावा देता है। इसने विकास और प्रगति का एक चक्र बनाया है, जहां उधारकर्ता अपने ऋण चुकाते हैं और अपने व्यवसायों में पुनर्निवेश करते हैं, जिससे निरंतर आर्थिक सुधार होता है। यह सतत दृष्टिकोण व्यक्तियों और समुदायों के लिए दीर्घकालिक लाभ सुनिश्चित करता है।